देव संस्कृति विश्वविद्यालय

# राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका

## प्राचीन भारतीय विचारकों की अंतर्दृष्टि

**17–18–19 अक्टूबर 2025**

**स्थान:** देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज, हरिद्वार

**मीडिया जनजागरण का सशक्त माध्यम बनकर राष्ट्र पुनर्निर्माण का संदेशवाहक बने।**

**— युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी**
संस्थापक: अखिल विश्व गायत्री परिवार एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय

वर्तमान डिजिटल युग में जब सूचना का प्रवाह अत्यधिक तीव्र हो गया है, मीडिया की भूमिका और उसकी दिशा को पुनः परिभाषित करने की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक हो गई है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम एक विनम्र पहल है—जिसका उद्देश्य प्राचीन भारतीय मनीषियों की विचारधारा के आलोक में यह समझना है कि मीडिया कैसे एक संस्कार-प्रधान, मूल्यों-आधारित और राष्ट्रहितकारी शक्ति बन सकती है।

---

पुज्य गुरुदेव का यह विश्वास था कि मीडिया केवल सूचना देने वाला माध्यम न बनकर, चेतना को जागृत करने, विवेक को प्रेरित करने, तथा राष्ट्र निर्माण हेतु जन-मन को प्रेरित करने वाला माध्यम बने।

## कार्यक्रम की विशेषताएँ

- प्रख्यात विद्वानों, मीडिया विशेषज्ञों और विचारकों के व्याख्यान
- भारतीय परंपरा में संचार और संवाद की अवधारणाओं पर चर्चा
- युवाओं की सक्रिय सहभागिता और मार्गदर्शन
- सांस्कृतिक मूल्यों और आध्यात्मिक दृष्टिकोण का समावेश

## उद्देश्य:

मीडिया क्षेत्र में ऐसे कार्यकर्ताओं को तैयार करना जो तकनीकी रूप से दक्ष, मूल्यनिष्ठ, और राष्ट्र-निष्ठ संचार में विश्वास रखते हों।

**पंजीकरण हेतु लिंक:**
www.dsvv.ac.in/media2025

**WhatsApp संपर्क:**
+91 9258252011